





# क्या झारखंड के लिए उम्मीदों का नया सवेरा लेकर आयेगा 2023

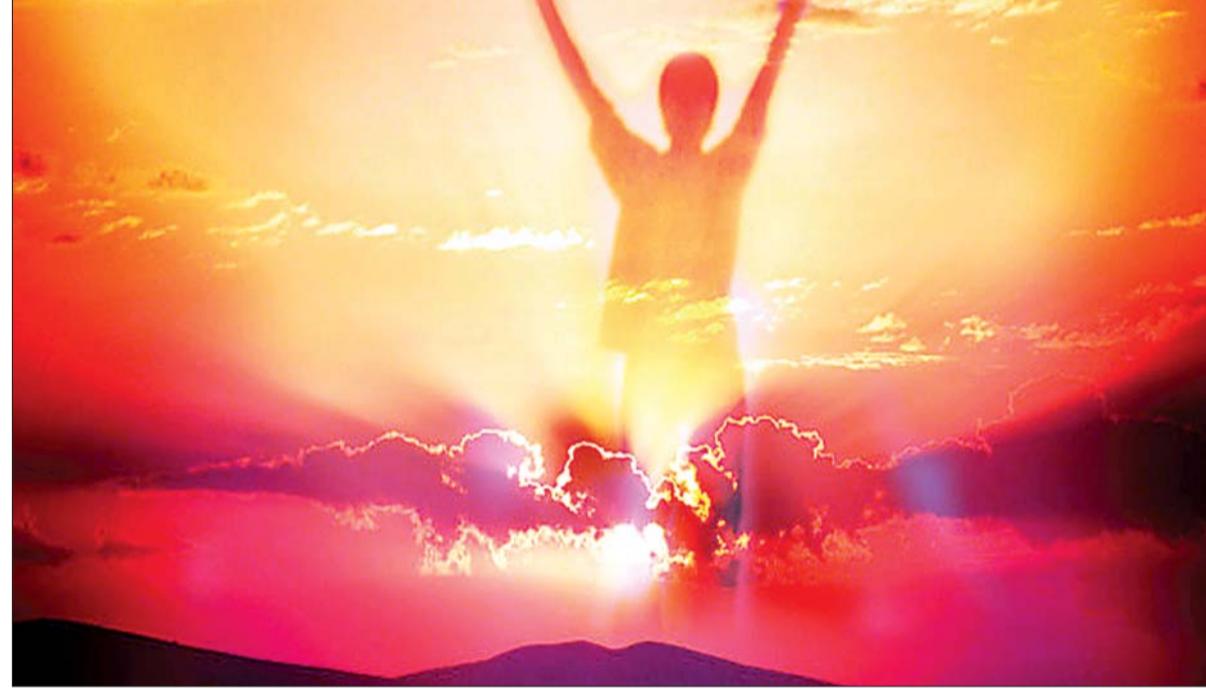
## रोजगार में वृद्धि, अपराध पर लगाम, महिलाओं को सुरक्षा और खुशहाल जनता की कल्पना क्यों न की जाये क्यों न संकल्प लिया जाये, झारखंड के समुचित विकास का : कठिन है, लेकिन नामुमकिन नहीं, तभी तो संकल्प लेने की जरूरत है

झारखंड, 24 जिलों के सब तीन करोड़ लोगों का खूबसूरत प्रदेश पूरी दृष्टिया के साथ 2022 को बिर्डाई देने के साथ 2023 के स्वयंगत का इतिहास रख रहा है। इसमें अभी दो सारे बाकी हैं, लेकिन झारखंड को उम्मीद है कि आनेवासा साल उसके लिए उम्मीदों और मानवाधिकारों का नया सवेरा लेकर आयेगा। देश की इसके लिए उम्मीदों और मानवाधिकारों का 40 प्रतिशत पृथग् करवावाला यह राज्य आगे तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके कदमों में वह दृढ़ता नहीं दिखायी दे रही है, जो 22 साल के एक क्षायार नौजवान के कदमों में होती है। शायद उसे एक ऐसे वैक्टिन की जरूरत है, जो झारखंड में पैलिओनुमा विकास को ताकत प्रदान

कर सके। जो अपने पैरों पर दौड़ सके। विकास को नयी रफतार दे सके। इसलिए झारखंड को अब गिर बदलना होगा। इसके लिए सबसे जरूरी है, सियासत के चर्छमें को उत्तर कर झारखंड की जरूरतों पर निगाह डालना, ताकि जरूरी फैसले लिये जा सकें। झारखंड में सियासत की गाड़ी इतनी तेज दौड़ती है कि इसके आगे तमाम योजनाएं और नीतियां पिछड़

जाती हैं। योजनाएं और नीतियां संवेदनीय होनी चाहिए। अन्यथा आप अपने समर्थकों का भी नुकसान कर बैठते हैं। इसलिए कोट में जाकर सरकार की कुछ श्री संजग हठना पड़ेगा, नहीं तो भ्रष्टाचार रूपी दानव उहाँ निगल लेंगे। बाद में पात चलेगा कि उनके आस-पास के लोगों ने उसे छल लिया।

झारखंड देश का सबसे विकसित राज्य बन सकता है। क्योंकि इस राज्य के पास वह सब कुछ है, जो एक अग्रणी राज्य के पास होना चाहिए। झारखंड तो पूरा देश को रोशन करने की क्षमता रखता है, लेकिन उनकी जान झारखंड खुद अधिकार में है। कारण राजनीतिक विजय की कमी। नये साल में उम्मीदों की जानी चाहिए कि झारखंड अपनी इस कमज़ोरी से बाहर निकलेगा और अपने विकास की गाड़ी की जरूरत को तेज करने में सफल हो सकेगा। झारखंड के लिए 2023 में क्या उम्मीदें हैं, इस पर रोशनी डाल रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राक्षश सिंह।



पर नजर डालना भी जरूरी है। बिहार से कानून कर झारखंड बने 22 साल से अधिक का समय बीत गया है। किसी व्यक्ति, संस्था या प्रदेश के आकरण के लिए इतना वक्त पर्याप्त होता है। झारखंड बनाने के पीछे की मंशा यहाँ के लोगों के सर्वांगीन विकास की थी। इसे समझने के लिए अविभाजित बिहार के तत्कालीन वित्त सचिव वीएस तुबे के एक बयान को याद करना जरूरी है। उहाँने कहा था कि बिहार सरकार दबिया बिहार (तब झारखंड को इसी नाम से लोग जानते-नुकारते थे) के लिए बजट में जितना प्रावधान करती है, अर उतने बजट को ही मान लें, तो झारखंड का बजट सरप्लस ही रहेगा। ऐसा कहने के पीछे उनका इशारा साफ था।

दरअसल खनन और उद्योग के मामले में झारखंड के बिहार का बाबा अब झारखंड बनाने के सबवाली और भीतर उम्मीदों को नया संचार हुआ है। यह उम्मीद वाजिब भी है और जरूरी भी, क्योंकि झारखंड आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहाँ से उसके भटकने के कई खतरे में झारखंड को खेल देंगे। एचडीसीएल, सीसीएल और इशेप्लॉन और उनके प्लांट तो झारखंड के हिस्से में ही थे। इनसे मिलने वाली रॉयलीटी या टैक्स के रूप में राजस्व बिहार के खाते में जाते थे। बंटवारे के बाद बिहार के लोग उम्मीद वाजिब हो गया, जबकि झारखंड का बजट घाटे का बनाना लगा। उम्मीद बदला होने लगे। कोवाला, लौह अयस्क और दूसरे मिनरल्स का खनन तो होता रहा,

की अनेकों से उनमें ज्यादातर बंद हो चुकी थीं। तब वह जुमला खूब उछला था कि बिहार अब बालू फॉकिंग। स्थापना के कुछ साल तक तो झारखंड का बजट वास्तव में सरप्लस ही रहा। बिहार के वही वित्त सचिव झारखंड के मुख्य सचिव बनाये गये थे। लेकिन पांच साल भी नहीं बीते होंगे कि झारखंड के बजट घाटे का बनाना लगा। उम्मीद बदला होने लगे।

लेकिन वह राजस्व में उतना बदल नहीं सका, जितना होना चाहिए था। झारखंड आहिस्ता-आहिस्ता बदलावी की ओर बढ़ता गया। ऐसा क्यों हुआ, इस पर झारखंड के बाद राज्य का आदमी तो आश्वर्य कर सकता है, लेकिन यहाँ के लोग इसकी वजह से अनजान नहीं हैं।

झारखंड को भ्रष्टाचार और कुशासन का धून लग गया। इसका नतीजा यह हुआ कि विकास के पैमाने पर यह राज्य को बेपटरी होने से बचाये रखा। राजनीतिक

या तो से पायदान पर रहा, लेकिन बिहार, चाहे राजनीतिक हो या व्यापारियों, के सबसे ऊचे पायदान पर इसी राज्य का कब्जा रहा। राजनीतिक अस्थिरता ने इसे बहुत अधिक नहीं बच गयी है। लेकिन वही जो केंद्र सरकार देती है। ऐसे में नये साल में इसमें कुछ इजाफा होने की आशा करना बहुत अधिक नहीं है। झारखंड इकलौता ऐसा राज्य है, जो देश की खनिज जरूरतों का 40 फीसदी हिस्सा अकेले पूरा करता है। इसके बदले यदि वह बेंटर राज्य के लिए उम्मीद हैं, तो झारखंड को प्रावधानिक रूप से बहुत पीछे होने लगी।

तामां विपरीत परिस्थितियों के बाजूद झारखंड में कुछ ऐसी बातें थीं, जिन्होंने इस राज्य को बेपटरी होने से बचाये रखा। राजनीतिक

स्थिरता आयी, तो काम भी होने लगे, लेकिन विकास की गाड़ी की रफतार अपेक्षित नहीं हो सकी। अब जबकि 2022 खम्हा हो रहा है और 2023 का साल हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है, झारखंड को भीतर से इनकारणी विकास की गाड़ी की रफतार देती है। ऐसे में नये साल में इसमें कुछ इजाफा होने की आशा करना बहुत अधिक नहीं है। झारखंड इकलौता ऐसा राज्य है, जो देश की खनिज जरूरतों का 40 फीसदी हिस्सा अकेले पूरा करता है। इसके बदले यदि वह बेंटर राज्य के लिए उम्मीद हैं, तो झारखंड को प्रावधानिक रूप से बहुत पीछे होने लगी।

राजनीतिक उम्मीदें

जहाँ तक राजनीतिक उम्मीदों का सवाल है, तो झारखंड के लिए अब इस चर्छमें का उत्तरना जरूरी

है।

राजनीतिक उम्मीदें

आजाद सिपाही

आर्थिक उम्मीदें

आर्थिक मोर्चे पर झारखंड को नये साल से कामी उम्मीदें हैं। देश में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद राज्यों के पास आर्थिक गतिविधियां बहुत अधिक नहीं बच गयी हैं। झारखंड की आवाज का बालू स्टोर विस्तृत हो जाती है, जो केंद्र सरकार देती है। ऐसे में नये साल में इसमें कुछ इजाफा होने की आशा करना बहुत अधिक नहीं है। झारखंड इकलौता ऐसा राज्य है, जो देश की खनिज जरूरतों का 40 फीसदी हिस्सा अकेले पूरा करता है। इसके बदले यदि वह बेंटर राज्य के लिए उम्मीद हैं, तो झारखंड को मुक्ति मिल जायेगी।

नये साल के आमान पर हर व्यक्ति सुनहरे सपने देखता है, लेकिन उन सपनों को वही व्यक्ति दृष्टीकोण में बदल पाता है, जो ईमानदारी से ऐसा सकल्प लेता है। झारखंड के बाकी और अद्वितीय विकास को आवाज देता है। इस तरह की आवाज आपको लागू होती है। तो अब जरूर है ऐसे संकल्प लेने की, जहाँ से झारखंड को मुक्ति मिल जायेगी।

सामाजिक उम्मीदें

झारखंड के सामाजिक जीवन में गरीबी, बेरोजगारी और अपराध

देखेगा।

नये डीजीपी के लिए नौ आइपीएस के नाम यूपीएससी को भेजे गये यूपीएससी नौ जनवरी को वरीयता तय कर तीन नाम भेजेगा



आजाद सिपाही संवाददाता  
रांची। झारखंड के डीजीपी नीरज सिपाही संवाददाता 2023 को समाप्त हो रहा है। ऐसे में झारखंड के डीजीपी के चयन को लेकर प्रक्रिया भी शुरू हो गयी है। राज्य सरकार द्वारा यूपीएससी को वरीयता आदेशीप्राप्त की जानकारी दी रखी है। झारखंड की अनुसार, यूपीएससी को वरीयता आदेशीप्राप्त की जानकारी दी रखी है। यह उम्मीद वाजिब भी है और जरूरी भी है, क्योंकि झारखंड आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहाँ से उसके भटकने के कई खतरे में झारखंड के हिस्से में ही थे। इनसे मिलने वाली रॉयलीटी या टैक्स के रूप में राजस्व बिहार के खाते में जाते थे। बंटवारे के बाद बिहार के लोग उम्मीद वाजिब हो गया। इसका नतीजा यह हुआ कि विकास के पैमाने पर यह राज्य को बेपटरी होने से बचाये रखा। राजनीतिक

यूपीएससी को नौ आइपीएस के भेजे गये हैं। नाम : राज्य सरकार ने डीजीपी के चयन को आदेशीप्राप्त की जानकारी दी



राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप प्रतियोगिता-2022 के समापन समारोह में शामिल हुए सीएम

## सीमित संसाधनों में हमारे खिलाड़ियों ने बिखरी घमकः हेमंत सोरेन

फाइनल मुकाबले में (मिलिए वर्षी) के मुकाबले में रांची जोन की अंगड़ा टीम ने ओरामांझी टीम को 2-1 से पराजित किया। पुष्ट वर्ग के मुकाबले में दुमका जोन की टीम (मालाहाड़ी) पाकुड़ ने धनबाद जोन की टीम (निरासा) धनबाद को 5-1 से हराया।

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विंगत 20 वर्षों में हमारे राज्य के नौजावान खिलाड़ियों के प्रतिभा को तलाशें का प्रयास न के बराबर हुई। वर्तमान राज्य सरकार के गठन के बाद से ही हमने गांव से लेकर शहर के कोने-कोने से वहां के नौजावानों के अंदर छिपी हुई हुरार को निरंतर ताराशें का काम किया जा रहा है। राज्य सरकार खेल के क्षेत्र में एक नया आवाम स्थापित करने का काम कर रही है। झारखंड में उम्दा खेल नीति बनाया गया है। इसी क्रम में आज जोहार खिलाड़ी पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया है। इस पोर्टल का लाला झारखंड के कोने-कोने में मेहनत कर रहे खिलाड़ियों को मिलेगा। सभी खिलाड़ियों को राज्य सरकार की नीति एवं योजनाओं की जानकारी इस पोर्टल के माध्यम से मिल सकेगी। पोर्टल के माध्यम से राज्य के खिलाड़ियों का डाटा संग्रहित होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किस राज्य के नौजावान खिलाड़ियों में अद्भुत प्रतिभा समाप्ति है। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे राज्य के खिलाड़ियों ने देश की कई विभिन्न खेलों की टीम का कप्तानी पद को भी सुशोभित कर दिया है। सीमित संसाधनों के बीच हमारे राज्य के खिलाड़ियों को मिलेगा। सभी खिलाड़ियों को राज्य सरकार की नीति एवं योजनाओं की जानकारी इस पोर्टल के माध्यम से मिल सकेगी। पोर्टल के माध्यम से राज्य के खिलाड़ियों के खेल जैसे तीरंदाज, फुटबॉल,

हॉकी, बैडमिंटन इत्यादि में हमारे नौजावान तथा छात्र-छात्राएं निरंतर अपेक्षित होते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे राज्य के खिलाड़ियों को प्रयास कर रहे हैं।

उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इनकी प्रयासों को पंख देने का काम किया है। राज्य सरकार द्वारा खेल की दृश्यमानी में एंटरटेनमेंट देकर आगे बढ़ने का प्रयास हो रहा है ताकि अनेक वाले समय में नीति के अधाव देखने की प्रतिभा दबकर न रह जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार वहां के नौजावानों के हासिला और जुनून को प्रतियोगिताएं आयोजित करने की कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं संचालित की जा रही हैं। विंगत कुछ दिन पहले ही 'स्थाप्त' योजना मुख्य रूप से राज्य के 5 जिलों में चलाया गया था। अगे भी हमारी सरकार वहां के नौजावानों के हासिला और जुनून को प्रतियोगिताएं आयोजित करने की कार्यक्रम देखने की जाएगी।

झारखंड में भी हेमंत सोरेन के बाबूल वर्ड कप का आयोजन : मुख्यमंत्री ने कहा कि हाँकों नेशनल टीम में झारखंड के 5-7 खिलाड़ी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं लेकिन यह विडंबना है कि हाँकों वर्ल्ड कप का मैच हमारे राज्य में नहीं हो पा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि अनेक वाले दिनों में झारखंड में भी वर्ल्ड कप के मैच कराया जाए। हमारी सरकार राज्य गांव-गांव तक जाकर खिलाड़ियों के

बीच पहुंचने का प्रयास कर रही है। सभी पंचायतों में खेल मैदान बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों के अंदर की क्षमता और अंदर की शुरू की गई परियोजनाओं के लिए प्रमुख परियोजनाओं की सतत विंगरानी के लिए जोहार परियोजना पोर्टल लांच किया। अब परियोजनाओं के धारातल पर उत्तरने की गति की जानकारी राज्य सरकार की विंगरानी में रहेगी। रीयल टाइम डेटा पोर्टल सरकार गठन के बाद शुरू की गई परियोजना की प्रगति की विंगरानी एवं कार्यालयन में तेजी लाने के लिए प्रमुख विभागों के बीच ठोस सम्बन्ध स्थापित करने में सहायक होगा। हर महीने इसकी समीक्षा की जायेगी। जोहार परियोजना पोर्टल संडर्क, भ्रान समेत अन्य आधारस्थूल संरचनाओं के विंगरानी की प्रगति की विंगरानी करेगा। इसके जरिए परियोजनाओं की प्रतिविनियोगी की विंगरानी के लिए अपलाई की जायेगी। यह विभागों के बीच चिन्तिर सम्बन्ध को भी बेहार बनाया जाएगा। सम्बन्ध के अधाव में परियोजनाओं में दोरी आम बात है। इस सम्बन्ध को दूर करने के लिए परियोजनाओं का प्रति दिन का अपडेट पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। इस अवसर पर जोहार खिलाड़ी पोर्टल की भी लाइंग हुई। यह पोर्टल खेल संस्कृति के विकास एवं जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों की पहचान में सहायक होगा। पोर्टल के जरिए खिलाड़ी और खेल से जुड़े लोगों का डेटा संग्रह किया जा सकेगा, जिससे खेल को और बढ़ावा दिया जा सकेगा।

## खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने में सहायक होगा जोहार खिलाड़ी पोर्टल

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य की प्रमुख परियोजनाओं की सतत विंगरानी के लिए जोहार परियोजना पोर्टल लांच किया। अब परियोजनाओं के धारातल पर उत्तरने की गति की जानकारी राज्य सरकार की विंगरानी में रहेगी। रीयल टाइम डेटा पोर्टल सरकार गठन के बाद शुरू की गई परियोजना की प्रगति की विंगरानी एवं कार्यालयन में तेजी लाने के लिए प्रमुख विभागों के बीच ठोस सम्बन्ध स्थापित करने में सहायक होगा। हर महीने इसकी समीक्षा की जायेगी। जोहार परियोजना पोर्टल संडर्क, भ्रान समेत अन्य आधारस्थूल संरचनाओं के विंगरानी की प्रगति की विंगरानी करेगा। इसके जरिए परियोजनाओं की प्रतिविनियोगी की विंगरानी करेगी। यह विभागों के बीच चिन्तिर सम्बन्ध को भी बेहार बनाया जाएगा। सम्बन्ध के अधाव में परियोजनाओं का प्रति दिन का अपडेट पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। इस अवसर पर जोहार खिलाड़ी पोर्टल की भी लाइंग हुई। यह पोर्टल खेल संस्कृति के विकास एवं जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों की पहचान में सहायक होगा। पोर्टल के जरिए खिलाड़ी और खेल से जुड़े लोगों का डेटा संग्रह किया जा सकेगा, जिससे खेल को और बढ़ावा दिया जा सकेगा।

खेल का एक अलग लेवल तैयार करने में लोगी है। राज्य के गांव-गांव और शहर-शहर में खेल से जुड़े लोगों को पुरुस्त किया जाना चाहिए। सम्बन्ध के अधाव में दोरी आम बात है। इस सम्बन्ध को दूर करने के लिए परियोजनाओं में दोरी आम बात है। इस अवसर पर जोहार खिलाड़ी पोर्टल की भी लाइंग हुई। यह पोर्टल खेल संस्कृति के विकास एवं जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों की पहचान में सहायक होगा। पोर्टल के जरिए खिलाड़ी और खेल से जुड़े लोगों का डेटा संग्रह किया जा सकेगा, जिससे खेल को और बढ़ावा दिया जा सकेगा।

उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा टीम मैनेजर्सेट से जुड़े लोगों को पुरुस्त किया जाना चाहिए। सम्बन्ध के अधाव में दोरी आम बात है। इस अवसर पर जोहार खिलाड़ी पोर्टल का प्रति दिन का अपडेट पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। इस अवसर पर जोहार खिलाड़ी पोर्टल की भी लाइंग हुई। यह पोर्टल खेल संस्कृति के विकास एवं जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों की पहचान में सहायक होगा। पोर्टल के जरिए खिलाड़ी और खेल से जुड़े लोगों का डेटा संग्रह किया जा सकेगा, जिससे खेल को और बढ़ावा दिया जा सकेगा।

भाकृउन्पु-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान			
कटक-753006 (ओडिशा), भारत			ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
Cuttack-753006, Odisha, India			
PHONE: 0671-2367768-783, FAX: 0671-2367663,			
E-mail: <a href="mailto:crric@nic.in">crric@nic.in</a>			
ADVERTISEMENT NO. 41/CEO/AC/2022-23			
Walk-in-Interviews are to be held on 09.01.2023, 10.01.2023 and 11.01.2023 for selection of five (05) Chief Executive Officers (CEO), five (05) Accountants (Ac) and two (02) Graduate Assistants (GA) respectively at ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack-753006 in the "Establishment of Hybrid Rice Seed System and state of art for Genetic Purity Testing in Odisha" (EAP-389). The details regarding essential qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in ICAR-NRRI website <a href="http://icar-nrri.in">https://icar-nrri.in</a> .			
PRINCIPAL INVESTIGATOR			



आजाद सिपाही संवाददाता

कथावाचक राजन महाराज राम रांची। रांची के हरमू मैदान में आगामी 15 से 21 जनवरी 2023 तक श्री राम कथा जान चल सतार का अलाम भारती आलाम, श्री न

















